संख्या-147/2021/839/22-2-2021-17(487)/2021

प्रेषक,

करूणेश कुमार सिंह,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 *लखनऊ: दिनांक 11 अगस्त, 2021*

विषय आदर्श कारागार, लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी सुरेन्द्र सिंह पुत्र श्री शारदा सिंह, निवासी जनपद-कुशीनगर की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-4324/प्रोबे0-5-दया0 बैठक 11-02-2021 दिनांक 22-02-2021 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार आदर्श कारागार, लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी सुरेन्द्र सिंह पुत्र श्री शारदा सिंह, ग्राम-सुदामा चक, थाना-हाटा, जनपद-कुशीनगर का निवासी है। बन्दी द्वारा पारिवारिक जमीनी विवाद की रंजिश में दिनांक 26.06.1994 को 08 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर देशी तमंचा, बन्दूक फरसा व लाठी आदि हथियारों से मारकर 03 व्यक्तियों की हत्या की गयी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-184/1995 में भा0द0वि0 की धारा-148, 302/149, 307/149, 452, 427 के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश(कक्ष सं0-4), देवरिया के आदेश दिनांक 11.06.2002 द्वारा मृत्युदण्ड से दण्डित किया गया जिसे मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 14.07.2003 द्वारा मृत्युदण्ड को आजीवन कारावास में परिवर्तित किया गया तथा मा0 उच्चतम न्यायालय के आदेश दिनांक 02.12.2009 द्वारा आजीवन कारावास की सजा को यथावत रखा गया। बन्दी द्वारा दिनांक 04.12.2020 तक 21 वर्ष 01 माह 18 दिन की अपरिहार सजा तथा 25 वर्ष 04 माह 04 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। पुलिस अधीक्षक/जिला मजिस्ट्रेट, कुशीनगर ने बन्दी द्वारा कारित अपराध व्यक्ति विशेष तक सीमित अपराध की श्रेणी में नहीं होने, बन्दी के पुन: अपराध करने में अशक्त नहीं होने, पुन: अपराध करने की सम्भावना होने, बन्दी के परिवार की सामाजिक, आर्थिक दशा समयपूर्व रिहाई हेतु उपयुक्त नहीं होने की आख्या अंकित करते हुए बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की है। दयायाचिका समिति ने बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता, पुलिस अधीक्षक, जिला मजिस्ट्रेट, कुशीनगर द्वारा समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं किये जाने के दृष्टिगत सभी बिन्दुओं पर सम्यक विचारोपरान्त समिति द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- अत: उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि आदर्श कारागार, लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी सुरेन्द्र सिंह (बन्दी संख्या-15588) पुत्र श्री शारदा सिंह, निवासी जनपद-कुशीनगर की संविधान के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक् विचारोपरान्त राज्यपाल महोदया द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,
करूणेश कुमार सिंह
संयुक्त सचिव।

संख्या-147/2021/839(1)/22-2-2021 तद्दिनांक....

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, जनपद-कुशीनगर।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, आदर्श कारागार, लखनऊ।
3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ ।
4- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
कृष्ण कुमार सिंह
उप सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in